



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 257]
No. 257]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 2005/आश्विन 5, 1927
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2005/ASVINA 5, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
जांच शुरुआत अधिसूचना
नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2005

विषय : चीन जन. गणराज्य से सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत

फा. सं. 14/7/2005-डीजीएडी.— यतः मै0 केसोराम इंडस्ट्री, कोलकाता की इकाई मै0 केसोराम रेयॉन (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) के अनुसार एक एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतदपश्चात "संबद्ध देश" अथवा चीन जन.गण. कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच आरंभ करने का अनुरोध किया गया है।

और यतः प्राधिकारी को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन और मौजूदा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मिले हैं और प्राधिकारी एतद्वारा कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए उक्त नियमों के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करने और पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश, जिसे यदि लगाया जाता तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, करने के लिए जांच आरंभ करते हैं।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म है जिसे ट्रांसपेरेंट पेपर, सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म, सेलोफेन पेपर आदि के नाम से भी जाना जाता है। सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म शीशे जैसी स्पष्ट पारदर्शिता और चमक वाली पुनर्संवर्द्धित सेलूलोज फिल्म है। यह लोचशील है, फिर भी

कठोर है और एक स्वतः पैकेजिंग प्रचालन में सभी चोटों को सहन कर सकती है तथा उत्कृष्ट मशीनी योग्यता और विमितीय स्थिरता दर्शाती है। पारदर्शी कागज का प्रयोग पैकेजिंग सामग्री के रूप में किया जाता है जिसमें चमकदार स्पष्टता और पारदर्शिता, बढ़िया छपाई, स्थायी तन्म्यता विशेषताएं, फटने की सामान्य ताकत तथा गैर-विषाक्तता जैसी विशेषताएं होती हैं जिससे इसका इस्तेमाल मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में किया जा सकता है। सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म उपशीर्ष 392071 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 39 के अंतर्गत परिभाषित है। तथापि यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

इस जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का "सेलोफेन ट्रांसपेरेंट फिल्म" के रूप में वर्णन किया जा सकता है।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह आवेदन मै0 केसोराम इंडस्ट्रीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल की इकाई, मै0 केसोराम रेयॉन द्वारा प्रस्तुत की गयी है। कंपनी ने वर्तमान जांच से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक के उत्पादन में समग्र ज्ञात भारतीय उत्पादन शामिल हैं। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि:-

(क) आवेदक कंपनी का उत्पादन भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात बनता है; (ख) घरेलू उत्पादकों ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक के कारण आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन किया है और (ग) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से तैयार किया गया है।

उपरोक्त की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक नियम 2 के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग बनता है और आवेदन उपरोक्त नियमों के नियम 5 के अनुसार याचिका दायर करने के मानदंड को पूरा करता है।

3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

4. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबंधित देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। आवेदक का दावा है कि ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। आवेदक ने डी जी सी आई एस, कोलकाता और इंटरनेशनल बिजनेस इनफार्मेशन सिस्टम, मुम्बई द्वारा यथा संकलित आयातों के बारे में सौदेवार सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु और आवेदक कंपनी द्वारा उत्पादित और आपूर्ति की जा रही वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तुओं को उपरोक्त नियमों के अर्थों के भीतर संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन गण को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबन्ध-I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य यूनाईटेड किंगडम (यूके) से भारत को निर्यातों की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के समुचित अनुमान के रूप में निर्धारित किया गया है।

भारत को तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था की तरफ से कीमत के एक विकल्प के रूप में, याचिकाकर्ता ने नियमावली के अनुबन्ध-I के पैरा 7 के संदर्भ में भारत में भुगतान योग्य कीमत के रूप में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इस सामान्य मूल्य का निर्धारण, भारत में उत्पादन लागत पर विचार करके किया गया है, तथा इसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ को शामिल करने के लिए यथोचित समायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित स्तर के अनुसार निविष्टियों की कीमतों पर विचार किया गया है।

तथापि, प्रत्येक निर्यातक इस धारणा का खण्डन कर सकता है तथा प्राधिकारी संगत नियमावली के संदर्भ में निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच करेंगे।

6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता द्वारा डीजीसीआईएंडएस तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आसूचना सेवाओं (आईबीआईएस) से प्राप्त प्रविष्टि बिल वार आयात आंकड़ों पर विचार करके संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा निर्यातों के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभार के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है, जिससे प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पर्याप्त पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं कि चीन जनगण में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि निर्यातकों द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदंडों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। समग्र अर्थों में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत के संदर्भ में आयातों में पर्याप्त वृद्धि, अत्यधिक कीमत कटौती के कारण बाजार में होने वाला कीमत ह्रास, बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद बिक्री मूल्यों में गिरावट, लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय में अत्यधिक हानि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट तथा उसके परिणामस्वरूप आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि, रोजगार में गिरावट जैसे मानदंडों से सामूहिक रूप से प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को चीन जनगण से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

9. पाटनरोधी जाँच की शुरुआत

उपर्युक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जाँच आरंभ करते हैं।

10. जाँच की अवधि (पीओआई)

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2005 (12 महीनों) की है। तथापि क्षति जाँच की अवधि में वर्ष 2001-02 से वर्ष 2003-04 की अवधि तथा जाँच की अवधि शामिल होगी।

11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देश के निर्यातकों, दूतावास के माध्यम से उनकी सरकार तथा इस जाँच से संबद्ध भारत के ज्ञात आयातकों तथा घरेलू उद्योग को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है कि वे निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत करें और निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अपने विचारों से अवगत कराएं :

पाटन रोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
भारत सरकार
कमरा सं. 240
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांचाधीन उत्पाद के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता के संबंध में जांच से संगत सूचना उपलब्ध कराने हेतु अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर जांच से संगत अपने निवेदन प्रस्तुत कर सकती है।

12. समय सीमा

क) सामान्य समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना देनी होगी। यह नोट किया जा सकता है कि निर्धारित समय सीमा में विस्तार के संबंध में किसी प्रकार के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

ख) तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था के चुनाव हेतु विशिष्ट समय सीमा

जाँच से संबंधित सभी हितबद्ध पार्टियाँ यू के की उपयुक्तता पर अपने अपने विचार प्रकट कर सकती हैं, जिसकी परिकल्पना इस प्रारंभिक जाँच अधिसूचना के उपर्युक्त पैरा 5 में चीन जनगण के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में की गई है। इन टिप्पणियों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो हफ्तों के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए।

13. सूचना प्रस्तुत करना

नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार, हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना संक्षिप्त करने योग्य न हो तो इसका कारण बताने वाला विवरण उपलब्ध कराना अपेक्षित है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित समयावधि के भीतर आवश्यक सूचना प्रदान नहीं करता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

2709 G1/25-2

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय प्रति वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 27th September, 2005

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning imports of Cellophane Transparent Film from China PR

F. No. 14/7/2005-DGAD.— WHEREAS M/s. Kesoram Rayon, unit of M/s Kesoram Industries, Kolkatta, (herein after referred to as applicant) have *filed* an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Cellophane Transparent Film (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the People's Republic of China (herein after referred to as "subject country" or China PR) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present petition is Cellophane Transparent Film also known as Transparent Paper, Cellophane Transparent Film, Cellophane paper etc. Cellophane Transparent Film is a re-generated cellulose film of glass clear transparency and sparkle. It is flexible, yet tough and withstands all the beatings in an automatic packaging operation and

shows outstanding machinability as well as dimensional stability. Transparent paper is used as a packaging material having the qualities like sparkling clarity and transparency, excellent printability, stable tensile properties, moderate tearing strength and non-toxicity which permits its use while wrapping confectionery and other eatables. Cellophane Transparent Film is defined under Chapter 39 of the Customs Tariff Act under sub-heading 392071. The Custom classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

For the purpose of this investigation the product under consideration shall be described as **"Cellophane Transparent Film."**

2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The application has been filed by M/s. Kesoram Rayon, unit of M/s Kesoram Industries, Kolkatta, West Bengal. The company has provided information relevant to the present investigations. The production of the applicant constitutes entire known Indian production. The Authority has determined that (a) production of the applicant company constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

The Authority after examining the above, determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

3. COUNTRY INVOLVED

The country involved in the present investigation is the People's Republic of China.

4. LIKE ARTICLE

The applicant has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from subject countries. Applicant claims that the two are technically and commercially substitutable. Applicant has provided transaction wise information on imports as compiled by Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S), Kolkatta and International Business Information System, Mumbai. Applicant has claimed that the subject goods and goods produced and supplied by the applicant company is being interchangeably used. For the purpose of present investigation, the goods produced by the applicant company is being treated as Like Article to the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

5. NORMAL VALUE

The applicant has claimed that China PR should be treated as non-market economy and has determined normal value in accordance with Para 7 of Annexure I of the Anti Dumping Rules. Normal value has been based on the basis of price of exports from United Kingdom(UK) to India as appropriate estimate of normal value.

In an alternate to the price from a market economy third country to India, applicant has determined normal value as price payable in India in terms of Para 7 of Annexure I to the Rules. This normal value has been determined considering the cost of production in India, duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and reasonable profit. Further, the prices of inputs have been considered at a level prevailing in the international market.

However, the individual exporters may rebut this presumption and the Authority shall examine the market economy claims of individual exporters in terms of the relevant Rules.

6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject country has been determined by considering bill of entry wise import data procured by the applicant from DGCI&S and International Business Information Services (IBIS). Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at ex-factory export price. There is sufficient evidence of the export price for the subject goods from the subject country.

7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of each of the subject countries. There is sufficient, prima facie, evidence that the normal value of the subject goods in China PR is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Parameters such as significant increase in imports in absolute terms as also relative to production and consumption in India, significant price undercutting leading to price depression in the market, decline in sales values in spite of increase in sales volumes, significant erosion in profits, cash flow and return on investments, significant decline in market share of the domestic industry and consequent increase in market share of the imports, decline in employment, prima facie, collectively indicate that the

domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from China PR.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st April 2004 to 31st March 2005 (12 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2001-02 to 2003-04 and the POI.

11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country, their Government through the Embassy, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address :

Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 240,
Udyog Bhavan, New Delhi - 1100 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. TIME LIMIT

a) General Time Limits

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

b) Specific time limit for selection of market economy third country

2904 GI/05-3

Interested parties to the investigation may wish to comment on the appropriateness of the UK which, as mentioned in the Para 5 above of this initiation notification is envisaged as a market economy third country for the purpose of establishing normal value in respect of the China PR. These comments must be submitted within two weeks from the date of publication of this notification.

13. SUBMISSION OF INFORMATION

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

14. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority